विद्या भवन बालिका विद्यापीठ ,शक्ति उत्थान आश्रम ,लखीसराय
(एन.सी.आर.टी पर आधारित)

कक्षा-षष्ठ तिथि-08/04/2021

विषय-संस्कृत सुमिता कुमारी

सुप्रभात बच्चों,

आज संस्कृत में आप सभी को ‘ वर्ण- विचार ‘के व्यंजन वर्ण और उनके भेद के बारे में जानेंगे।

व्यंजन वर्ण-वे वर्ण जिनको बोलने के लिए स्वरो की सहायता लेनी पड़ती हो,उसे व्यंजन वर्ण कहते हैं। जैसे-क,ख,ब,म आदि।

व्यंजन के भेद:-

***स्पर्श व्यंजन**- जिन्हें बोलते समय जीभ मुख के किसी भी भाग का पूरयत-रूप से स्पर्श करती है- जैसे-क्, ख्,……म्।

कवर्ग - क्,ख्,ग्,घ्,ङ्।

चवर्ग-च्,छ्,ज्,झ्,ञ् ।

टवर्ग-ट्,ठ्,ड्,ढ्,ण्।

तवर्ग-त्,थ्,द्,ध्,न्।

पवर्ग-प्,फ्,ब्,भ्,म्।

ऊष्म व्यंजन- जिन्हें बोलते समय वायु घर्षण के साथ गर्म होकर बाहर निकलती है ,ऊष्म व्यंजन कहते हैं। जैसे- श्,ष्,स् तथा ह्।

अंत:स्थ व्यंजन- जिन्हें बोलते समय जीभ मुख के किसी भाग को थोड़ा-सा स्पर्श करती तथा वायु थोड़ा सा अंदर रूककर कम शक्ति के साथ बाहर निकलती है।।जैसे-य्, र्,ल्,तथा व्।

***संस्कृत वर्णमाला में 33 व्यंजन हैं।**

गृहकार्य-

1.वर्णमालां पूरयत-(वर्णमाला को पूरा कीजिए।)

स्वर

अ ..... इ .....उ ....

ए ..... ओ .... ऋ .... लृ

व्यंजन

क् ....,ग् ......,ङ्।

च् ...ज् ....ञ्।

ट् .....,ड्.....,ण्।

त् ... द् ...न्

प्,...ब् ...म्

2.निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:-

(i) व्यंजन वर्ण किसे कहते हैं?

(ii)व्यंजन के कितने भेद हैं ?नाम लिखें।

(ii) ऊष्म व्यंजन किसे कहते हैं?

(iv)संस्कृत वर्णमाला में व्यंजन कितने हैं?